जिसे परमेश्वर ने जोड़ा है

''इसलिए जिसे परमेश्वर ने जोड़ा है, उसे मनुष्य अलग न करे'' (मत्ती 19:6)।

यीशु ने कहा था, ''इसलिए जिसे परमेश्वर ने जोड़ा है, उसे मनुष्य अलग न करे'' (मत्ती 19:6ख)। यीशु यहां बात शादी और तलाक की ही कर रहा था, परन्तु उसके शब्दों में एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है। जिसे ईश्वरीय अधिकार से जोड़ा गया है उसे तोड़ने का अधिकार मनुष्य को नहीं है। आइए देखते हैं कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें यह आयत उचित रूप से प्रासंगिक हो सकती है।

विश्वास और बपतिस्मा

एक अन्य अवसर पर, यीशु ने कहा था, ''जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा'' (मरकुस 16:16)। यीशु के कथन के अनुसार, किसका उद्धार होगा? जिसने विश्वास किया है? नहीं। जिसने बपतिस्मा लिया है? नहीं। फिर किसका उद्धार होगा? ''जो विश्वास करे *और* बपतिस्मा ले।'' हमें इन दो शब्दों को मिलाने वाले संयोजक को नहीं भूलना चाहिए।

विश्वास व बपतिस्मे को बड़े महत्वपूर्ण ढंग से जोड़ा गया है। सही विश्वास, अर्थात वह विश्वास जो प्रेम में कार्य करता है (गलतियों 5:6), व्यक्ति को बपतिस्मे की ओर लेकर जाएगा। बिना विश्वास के कोई व्यक्ति बपतिस्मा नहीं ले सकता है। फिलिप्पुस ने कूश देश के मन्त्री से कहा था कि *यदि* वह विश्वास करता है तो बपतिस्मा ले सकता है (प्रेरितों 8:37)। ''शिशुओं के बपतिस्मे'' में विश्वास नहीं होता। क्या यह परमेश्वर की ओर से जोड़ी हुई को अलग करने का प्रयास नहीं है? इसलिए, शिशुओं को बपतिस्मा नहीं दिया जा सकता।

मन फिराव और बपतिस्मा

पवित्र आत्मा की प्रेरणा प्राप्त पतरस ने कहा था, ''मन फिराओ, और तुम में से हर एक ... बपतिस्मा ले ...'' (प्रेरितों 2:38)। हम यहां विश्वास और बपतिस्मे के सम्बन्ध में कही

गई बात को दोहरा सकते हैं। सच्चा मन फिराव बपतिस्मे की ओर ले जाएगा, और बिना मन फिराने के बपतिस्मा नहीं हो सकता। मन फिराव और बपतिस्मे को संयोजक से जोड़ा गया है, इसलिए वाक्य में उन दोनों की एक ही सामर्थ है। दोनों ही ''पापों की क्षमा के लिए'' हैं। पापों की क्षमा के लिए जितना आवश्यक एक है, दूसरा भी उतना ही आवश्यक है। इस वाक्य में जो काम मन फिराव करता है, वही काम बपतिस्मा भी करता है। मन फिराव और बपतिस्मे को जोड़ा गया है, और मनुष्य को उन्हें अलग करने का अधिकार नहीं है।

मसीह और कलीसिया

इफिसियों 5:25 में हम देखते हैं, कि पति और पत्नी की तरह ही मसीह और कलीसिया को जोड़ा गया है। मसीह कलीसिया का सिर है (इफिसियों 1:22, 23)। कई लोग चाहते हैं कि हम मसीह का प्रचार करें परन्तु कलीसिया का नाम न लें! यह कैसे हो सकता है? जिसे परमेश्वर ने जोड़ा है मनुष्य उसे अलग कैसे कर सकता है? कलीसिया को सताने का अर्थ मसीह को सताना है (प्रेरितों 9:4)। यह दिखाता है कि दोनों को अलग नहीं किया जा सकता।

कलीसिया और उद्धार

पौलुस ने समझाया कि कलीसिया मसीह की देह है और देह में ही मेल है (इफिसियों 1:22, 23; 2:16)। कलीसिया के बाहर उद्धार की कोई प्रतिज्ञा नहीं है। मसीह देह का उद्धारकर्त्ता है (इफिसियों 5:23)। यदि हम सिखाते हैं कि उद्धार मसीह की देह के बाहर है, तो हम वह काम करने की कोशिश करने के दोषी हैं जिनकी पवित्र शास्त्र ने मनाही की है।

प्रभु का दिन और प्रभु-भोज

प्रेरितों 20:7 में दो स्मारकों अर्थात यीशु के पुनरुत्थान के स्मरण में एक दिन और उसकी मृत्यु के स्मरण में एक भोज का उल्लेख है। परमेश्वर ने इन दोनों को जोड़ा है। कई बातों में, मनुष्य ने उन्हें अलग करने का प्रयास किया है। नये नियम के अनुसार, प्रभु-भोज सप्ताह के पहले दिन ही लिया जाना चाहिए, किसी और दिन नहीं।

सारांश

आइए ठान लें कि हम परमेश्वर द्वारा एक की हुई बातों को अलग करने का प्रयास नहीं करेंगे। आइए उन्हें पहचानें और आदर दें। जिसे परमेश्वर ने जोड़ा है वह तो जुड़ा ही रहेगा। जब मनुष्य परमेश्वर की जोड़ी हुई वस्तु को अलग करता है, तो परमेश्वर अवश्य नाराज़ हो जाता है।

मसीही लोगों की उदारता से ट्रुथ फ़ॉर टुडे वर्ल्ड मिशन स्कूल बिना कोई कीमत लिए ये पुस्तकें आपको उपलब्ध करवा सका है। अपनी mailing list को अपडेट करने के लिए हमें आपसे निम्न जानकारी चाहिए।

यह पुष्टि करने के लिए कि आपकी जानकारी अभी भी सही है, कृपया हमें साल में कम से कम एक बार अवश्य लिखें कि क्या आपको यह सामग्री लगातार सही पते पर मिल रही है और आपके लिए कैसे सहायक हो रही है। आपकी सेवकाई में परमेश्वर आपको आशीष दे।

एक पर टिक करें: ☐ पुरुष ☐ स्त्री

(नोट: सम्भव हो तो पता अंग्रेज़ी के बड़े अक्षरों में लिखें)

नाम: _____

पूरा पता: _____

_____

_____ PIN _____

पुराना पता (पता बदलने की स्थिति में): _____

_____

_____

_____ PIN _____

ई-मेल पता: _____

कलीसिया का नाम: _____

स्थान: _____

प्रचारक का नाम: _____

जिस मण्डली में आप आराधना करते हैं, वहां आपकी सेवा क्या है?

☐ प्रचारक ☐ सदस्य

☐ बाइबल क्लास टीचर ☐ सदस्यता नहीं

क्या आपको ट्रुथ फ़ॉर टुडे वर्ल्ड मिशन स्कूल का साहित्य लगातार मिल रहा है? (एक पर टिक करें):

☐ नहीं

☐ हां, डाक से

☐ हां, श्री _____ के पास से।

आप किस भाषा में पुस्तकें पाना चाहेंगे? (केवल एक ही टिक करें):

☐ हिन्दी ☐ तमिल ☐ तेलुगू ☐ अंग्रेज़ी

आप इस सामग्री का इस्तेमाल कैसे करते हैं/करेंगे? _____

_____

यदि आप ऐसे व्यक्तियों को जानते हों जो इस सामग्री को लगातार प्राप्त करना चाहते हैं, तो कृपया इस फार्म की कापी करवाकर उनके नाम से यह फार्म Truth for Today, P.O. Box 44, Chandigarh - 160017 के पते पर भेज दें।